ABSTRACT

वृद्धों के समक्ष पारिवारिक समायोजन की चुनौतियाँ

डॉ. शाहेदा सिद्दीकी
प्राध्यापक समाजशास्त्र
शास. टी.आर.एस. उत्कृष्टता संस्थान
रीवा (म.प्र.)

सारांश

बुजुर्गों की देखरेख में परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। परिवार एक ऐसी अद्भुत संस्था है जो विभिन्न आयु और पीढ़ियों के बीच संबंध बनाए रखती है। किन्तु अब परिवार का रवैया बुजुर्गों के प्रति बदला है। वृद्धों के समक्ष पारिवारिक समायोजन की चुनौतियाँ उभरी हैं। इस शोध पत्र को तैयार करने के लिए मैंने अध्ययन क्षेत्र के रूप में भोपाल नगर का चयन किया है। भोपाल नगर के 100 वृद्धों को उद्देश्यपूर्ण निदर्शन के माध्यम से तथ्य संग्रहण हेतु न्यादर्श के रूप में चुना गया है। वृद्धजनों में पारिवारिक समायोजन का अभाव

मुख्य शब्द- *पारिवारिक समायोजन, भारत में वृद्ध, वृद्धों की चुनौतियां, कल्याण कारी कार्यक्रम ।*

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2020-21
अंक-33-34, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्